जालंधर, सोमवार 22 अप्रैल 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
जिसका उदय होना निश्चित है उसके लिए प्रकृति भी रास्ता बना देती है।

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

'सुपर नटवरलाल' धनी राम मित्तल का निधन

जज बनकर 2000 अपराधियों को किया था रिहा

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : धनी राम मित्तल, जिन्हें पुलिस रिकॉर्ड में 'सुपर नटवरलाल' और 'इंडियन चार्ल्स शोभराज' के नाम से भी जाना जाता है, का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मित्तल का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

धनी राम मित्तल, जिनके ऊपर 1000 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें गाड़ियों की चोरो, धोखेबाजी, दूसरे की पहचान का इस्तेमाल इत्यादि शामिल थे। मित्तल के कारनामों की वजह से उन्हें सुपर नटवरलाल भी कहा जाता था। सवाल ये है कि लॉ ग्रेजुएट धनी राम मित्तल जो हस्तलेखन विशेषज्ञ और ग्राफोलॉजिस्ट भी थे आखिर सुपर नटवरलाल कैसे बने?

धनी राम मित्तल कैसे बने 'सुपर नटवरलाल'

1969 की गर्मियों का मौसम था और जैसे की ब्रायन एडम्स के फेमस गीत के बोल हैं, किलिन टाइम धनी राम मित्तल, एक युवा और बेचैन विज्ञान स्नातक बस समय काट रहे थे। दिन के समय एक स्टेशन मास्टर का काम करने वाले मित्तल ने केवल मनोरंजन के लिए अपनी शिफ्ट के बाद कोर्ट पार्किंग स्थल से वाहन चुराए।

बता दें, मित्तल ने स्नातक की डिग्री भी लॉ में ही की थी और जो स्टेशन मास्टर की नौकरी वो कर रहे थे वो भी उन्होंने जाली दस्तावेजों पर पाई थी। लॉ ग्रेजुएट मित्तल ने भारत के सबसे विद्वान और बुद्धिमान अपराधियों में से एक के रूप में कुख्यात प्रतिष्ठा अर्जित की। वह हस्तलेखन विशेषज्ञ और ग्राफोलॉजिस्ट भी थे। मित्तल ने 1968 से 1974 तक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके स्टेशन मास्टर के रूप में काम किया था और बाद में चोर बन गए।

मित्तल ने 1000 से अधिक कारें चुराईं और उन्हें रिकॉर्ड संख्या में गिरफ्तार किया गया। उसके काम करने के तरीके में मुख्य रूप से दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में दिन के उजाले में कारें चोरी करना शामिल था। यहां तक कि उन्होंने एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अस्थायी छुट्टी भी करा दी।

उन्होंने कुछ झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और झज्जर अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश को दो महीने की छुट्टी पर भेज दिया। इसके बाद मित्तल ने जज बनकर 2000 से ज्यादा अपराधियों को रिहा कराया। उनकी कानून की डिग्री ने उन्हें एक विद्वान न्यायाधीश बनने में मदद की, जिन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में जेल एक अपवाद है और जमानत आदर्श है। रिपोर्टों से पता चलता है कि मित्तल ने एक बार अपने मामले की सुनवाई की और उसी पर फैसला सुनाया। 1960 से 2000 के दशक तक, मित्तल का नाम हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और राजस्थान में कार चोरी के 150 से अधिक मामलों में सीधे तौर पर लिया गया था। पुलिस का अनुमान है कि उसने अपने जीवनकाल में कार चोरी, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और जालसाजी सहित 1,000 से अधिक अपराध किए।

मित्तल के लिए, कानून वास्तव में निवारक नहीं था, उनकी उम्र थी। 2014-15 के बाद उनके अपराध रिकॉर्ड में गिरावट शुरू हो गई। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में एक कार चोरी की घटना में वह शामिल था। 2016 में, 77 साल की उम्र में, उसे अपने दैनिक आवागमन के लिए रानी बाग में एक कार चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह उनकी 95वीं गिरफ्तारी थी।

मित्तल का अतीत उन्हें जेलों में परेशान करता रहा। लेकिन यह बुढ़ापा था जिसने उनके पक्ष में काम किया। हर बार जब उन्हें सलाखों के पीछे डाला गया, तो उन्हें लंबे समय तक नहीं रहना पड़ा। पिछले साल चंडीगढ़ के एक मामले में उन्हें कुछ समय के लिए जेल में रहना पड़ा था। अपनी रिहाई के बाद, लगभग 85 वर्ष के हो चुके मित्तल ने अपने जांच अधिकारी को बताया कि आखिरकार वह जेल में रहकर थक गए हैं। कुछ ही हफ्तों में उन्हें लकवा मार गया।

डॉक्टरों के अनुसार गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद उनका शांतिपूर्वक निधन हो गया। शनिवार को निगमबोध घाट पर मित्तल का अंतिम संस्कार किए जाने के बाद उनके बेटे ने कहा, उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं थीं। वह एक साल से बीमार थे।

पुलिस को आश्वस्त होना पड़ा, एक एसीपी-रैंक अधिकारी, जिसने मित्तल के अतीत की जांच की थी, ने व्यक्तिगत रूप से दाह संस्कार देखा। शनिवार को उन्होंने मित्तल के मौत की पुष्टि की। अधिकारी ने कहा, जैसे ही मुझे उनके निधन के बारे में पता चला, मैंने इलाके के स।इ्न को सतर्क कर दिया और श्मशान घाट भी गया। मित्तल के खिलाफ अभी भी करीब दो दर्जन मामले लंबित हैं। मृत्यु यह सुनिश्चित करती है कि अंतत: आरोप हटा दिये जायेंगे। अपने आपराधिक इतिहास के अलावा, मित्तल एक उत्साही कहानीकार थे।

11 टन सोना और 18000 करोड़ कैश...

ये है दुनिया का सबसे अमीर हिंदू मंदिर

जालंधर (जतिन चौहान) : दुनिया के सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम ने पिछले 12 सालों में ट्रस्ट की ओर से फिक्स डिपॉजिट की गई तुलना में इस साल 1161 करोड़ रुपए की अब तक की सबसे ज्यादा रकम जमा की गई. ञ्ञ्ष्ठ यानी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम जो कि भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करता है. जहां ट्रस्ट भक्तों की ओर से दिए गए चढ़ावे की जिम्मेदारी देखता है. वहीं, हर साल इस मंदिर में दुनिया भर से लाखों भक्त आते हैं.

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम शायद देश का एकमात्र हिंदू धार्मिक ट्रस्ट है, जो पिछले 12 सालों में साल दर साल लगातार 500 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की रकम जमा कर तेजी से बढ़ोत्तरी कर रहा है. इससे पहले केवल तीन मामलों में इस मंदिर का चढ़ावा 500 करोड़ से कम रहा है. 2012 तक, टीटीडी की फिक्स डिपॉजिट 4820 करोड़ रुपये थी. वहीं, तिरुपति ट्रस्ट ने साल 2013 से 2024 के बीच 8467 करोड़ रुपए की रकम जमा की थी, जो शायद देश के किसी भी मंदिर ट्रस्ट के लिए सबसे ज्यादा है.

मंदिर के संपत्ति में लगातार हो रही है बढ़ोतरी : साल 2013 से तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम की सालाना फिक्स डिपॉजिट जोकि इस प्रकार है, जिसमें साल 2013 में 608 करोड़ रुपये, 2014 में 970 करोड़ रुपये, 2015 में 961 करोड़ रुपये, 2016 में 1153 करोड़ रुपये, 2017 में 774 करोड़ रुपये, 2018 में 501 करोड़ रुपये, 2019 में 285 करोड़ रुपये, 2020 में 753 करोड़ रुपये, 2021 में 270 करोड़ रुपये, 2022 में 274 करोड़ रुपये, 2023 में 757 करोड़ रुपये और 2024 में 1161 करोड़ रुपये की हो गई है.

बाकी शेष पृष्ठ 2 पर

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है।
चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

वंदे भारत 24
हमारे साथ जुड़ने के लिए व विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

पंजाब-हरियाणा के बड़े शराब कारोबारी राकेश सिंगला की कोठी में महिला रसोइया व नौकर ने की बड़ी वारदात

जालंधर (हिमांशु) : हरियाणा-पंजाब के बड़े शराब ठेकेदार व सिंगला वाइन के संचालक अरविंद सिंगला के भाई राकेश सिंगला की सेक्टर-33सी स्थित कोठी में शनिवार तड़के तीन बजे दो नौकरों ने अपने तीन साथियों के साथ लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

नौकरों ने पहले राकेश सिंगला, महिला नौकरानी और ड्राइवर को खाने में नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया, फिर शराब कारोबारी की मां ऊषा सिंगला को बंधक बनाकर स्टोर रूम में रखे दो लॉकरों से दो किलो सोने-चांदी के गहने और 35 लाख की नकदी व अन्य कीमती सामान ले उड़े। लुटेरे कोठी में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी साथ ले गए हैं। सेक्टर-34 थाना पुलिस ने आरोपी नौकर राजू, महिला रसोइया लक्ष्मी समेत पांच के खिलाफ आईपीसी की धारा 328 व 395 के तहत केस दर्ज कर सभी की तलाश शुरू कर दी है।

सिंगला बंधुओं की मां ऊषा सिंगला ने पुलिस को बताया कि पुराने नौकर के काम छोड़ने के बाद करीब 10 दिन पहले ही उन्होंने आरोपी राजू और लक्ष्मी को एक जानकार महिला के जरिए काम पर रखा था। शुक्रवार रात दोनों ने खाने में कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर सबको खिला दिया। खाना खाकर उनका बेटा राकेश बेसुध होकर सो गया। एक अन्य महिला नौकर व ड्राइवर भी खाना खाते ही बेसुध हो गए।

तड़के ढाई बजे राजू और लक्ष्मी अपने तीन साथियों के साथ उनके कमरे में आए और मारपीट कर उन्हें बंधक बना लिया। आरोपियों ने उनके हाथ-पैर बांधकर उन्हें बाथरूम में डाल दिया और गहने-पैसे के बारे में पूछा। जब उन्होंने कुछ भी बताने से इन्कार किया तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे उन्होंने सारी जानकारी दे दी। आरोपियों ने भूमि तल व पहली मंजिल पर बने स्टोर में रखे दो लॉकरों को तोड़कर नकदी और गहने लूट लिए और भाग निकले।

करीब पौने चार बजे ऊषा सिंगला ने खुद को जैसे-तैसे बंधनमुक्त किया। बाथरूम का दरवाजा बंद होने पर वह खिड़की से बाहर आईं।

इसके बाद कोठी से कुछ दूर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड के पास पहुंचकर सारी बात बताई। गार्ड ने पुलिस को फोन किया लेकिन बात नहीं सकी।

सुबह चार बजे गार्ड के मोबाइल से बुजुर्ग ने बेटे अरविंद सिंगला को फोन किया, जिसके बाद वह भाई के घर पहुंचे। अरविंद सिंगला ने पुलिस को वारदात की सूचना दी, फिर बेसुध पड़े भाई राकेश सिंगला, महिला नौकरानी व ड्राइवर को पुलिस की मदद से जीएमसीएच-32 में भर्ती करवाया।

पुलिस जब कोठी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकालने पहुंची डीवीआर नहीं मिला। इसके बाद डीएसपी दक्षिण दलबीर सिंह, सेक्टर-34 थाना प्रभारी बलदेव कुमार और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने ऊषा सिंगल समेत अस्पताल में भर्ती राकेश सिंगला, महिला नौकरानी व ड्राइवर के बयान दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ चोरी व लूट समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दोनों लॉकर में लगा था फिंगर प्रिंट लॉक, हथौड़े से तोड़ा, नहीं बजा हूटर

सिंगला की कोठी में भूमि तल व पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम में दो लॉकर रखे गए थे, जिनमें गहने व कैश रखे थे। आरोपी राजू और लक्ष्मी ने वारदात की रात फोन कर तीन अन्य साथियों को भी कोठी में बुला लिया। बाहर से आए तीनों आरोपी अपने साथ हथौड़े व अन्य औजार लेकर आए थे। ऊषा सिंगला से गहने और कैश की जानकारी मिलने के बाद पहले आरोपियों ने भूमि तल पर स्टोर में रखे लॉकर को खोलने की कोशिश की लेकिन फिंगर प्रिंट लॉक के चलते लॉकर नहीं खुला।

ऐसे में आरोपियों ने हथौड़े से लॉकर को तोड़ा और गहने व नकदी निकाल लिया। इसके बाद आरोपी पहले पहली मंजिल पर बने स्टोर में पहुंचे और वहां भी औजारों की मदद से लॉकर को तोड़कर गहने-कैश निकाले। दोनों लॉकर तोड़ने के दौरान कोई हूटर भी नहीं बजा।

नौकरों की नहीं हुआ था पुलिस सत्यापन

कोठी मालिक राकेश सिंगला ने दोनों नौकरों में से किसी का भी पुलिस सत्यापन नहीं कराया था। अगर नियमानुसार, नौकरी पर रखने से पहले आरोपियों का सत्यापन कराया गया होता तो पुलिस को उनकी पहचान व पते की जानकारी होती। बाकायदा यूटी पुलिस की ओर से आए दिन शहरवासियों को नौकर रखने से पहले उनके सत्यापन संबंधी आगाह किया जाता है लेकिन राकेश सिंगला के परिवार ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

पहले भी सुर्खियों में रहे हैं शराब कारोबारी सिंगला बंधु

- वर्ष 2019 में शराब कारोबारी राकेश सिंगला ने कुछ कारोबारियों से अलग होकर अपनी बीयर लांच की थी। इसकी अच्छी बिक्री और बाजार में तेजी से बढ़ते नाम से दूसरा गुट सिंगला बंधुओं से रंजिश रखने लगा। इसके बाद मई 2019 में सिंगला बंधुओं की कोठी पर अज्ञात बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई थीं।
- शराब कारोबारी अरविंद सिंगला का नाम सेक्टर-37 में कोठी कब्जाने के प्रकरण में भी काफी उछला था। पुलिस रिकॉर्ड अनुसार, सेक्टर-37 में राहुल मेहता की कोठी को अरविंद सिंगला और खलिंदर कादियान ने जीपीए के जरिए अपने नाम करवा लिया था। इसमें 33 प्रतिशत हिस्सेदारी अरविंद की थी। इसके बाद इन लोगों ने सौरभ गुप्ता को 3.85 करोड़ में कोठी बेच दी। अरविंद के हिस्से में कुल 1.28 करोड़ आए थे। इस मामले में कारोबारी अरविंद सिंगला पर भी केस दर्ज हुआ था, जिसमें वह करीब 100 दिनों तक फरार रहे थे, फिर कोर्ट में पहुंचकर सरेंडर कर दिया था।
- एक अन्य मामले में अंबाला कैंट निवासी श्वेता सिंगला ने पुलिस को शिकायत देकर कहा था कि उनके पति दीपक सिंगला ने अपने चचेरे भाई अरविंद सिंगला के साथ अगस्त 2015 को बेल इंटरप्राइजेज नाम की एक कंपनी खोली थी। 60 प्रतिशत की पार्टनरशिप अरविंद सिंगला और 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी उनके पति के पास थी लेकिन कुछ समय बाद कंपनी डूबने लगी। जून 2016 में दीपक को गोली लगी और वह मोहाली स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हुए। आरोप के मुताबिक, इसी बीच अरविंद सिंगला ने धोखे से श्वेता के हस्ताक्षर लेकर खुद को कंपनी से अलग कर लिया ताकि वह डूबती कंपनी में देनदारी से बच सकें।

दोनों मुख्य आरोपियों ने लूट की वारदात से पहले इसकी योजना बनाई। उनके साथी कोठी में औजार लेकर आए थे, जिसकी मदद से लॉकर तोड़े गए। आरोपी सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर साथ ले गए हैं। वारदात के बाद सभी पैदल ही फरार हुए। सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरों में उनकी फुटेज कैद हुई है। इसमें वे बैग लेकर जाते दिख रहे हैं। शहर से आरोपी बस से बाहर भागे हैं। आरोपियों का पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा।

-बलदेव कुमार, एसएचओ, सेक्टर-34 थाना

बुड़ैल में लूट की साजिश रचे जाने का शक, दो हिरासत में

सिंगला कोठी में वारदात को अंजाम देने योजना आरोपियों ने कुछ दिन पहले बनाई थी। आरोपी महिला रसोइया लक्ष्मी और उसका साथी राजू बुधवार को एक साथ छुट्टी लेकर बुड़ैल गए थे। जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों ने वहां अपने कुछ साथियों से मुलाकात की और शाम को कोठी में लौट आए। पुलिस को शक है कि बुड़ैल में ही लूट की योजना बनाई गई। मामले में पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। यह बात भी सामने आई है कि राकेश सिंगला की पत्नी शिल्पा सिंगला अपने दोनों बच्चों के साथ जालंधर रिश्तेदारी में गई हुई हैं। वीरवार को शिल्पा को महिला रसोइया ने फोन कर बातों ही बातों में उनसे चंडीगढ़ लौटने की बात पूछी। शिल्पा ने बताया कि अभी उन्हें 2-3 दिन लगेंगे। ऐसे में आरोपियों ने घर में कम लोगों के होने का फायदा उठाते हुए शुक्रवार रात व शनिवार तड़के वारदात को अंजाम दे डाला।

पृष्ठ 1 का शेष

11 टन सोना और 18000 करोड़ कैश... ये है दुनिया का सबसे अमीर हिंदू मंदिर

ऐसा पहली बार हुआ था जब तिरुपति ट्रस्ट की फिक्स डिपॉजिट की रकम 500 करोड़ रुपये से कम हो गई थी. वो भी साल 2021 और 2022 में कोरोना महामारी के दौरान कम हुई थी.

जबकि, एक बार इससे पहले भी 2019 में भी ये रकम कम हुई थी. हालांकि, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट ने इस साल 1161 करोड़ रुपये की एफडी बनाकर साल 2017 में की गई अपनी सबसे अधिक 1153 करोड़ रुपये की फिक्स डिपॉजिट को पीछे छोड़ दिया है.

साल में ब्याज पर इतना पैसा कमाता है ट्रस्ट

टीटीडी के अनुसार, बैंकों में कुल एफडी 13287 करोड़ रुपये तक जमा हो गई है, मंदिर ट्रस्ट की ओर से संचालित कई ट्रस्ट जिसमें श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नप्रसादम ट्रस्ट, श्री वेंकटेश्वर प्राणदानम ट्रस्ट आदि है, जिन्हें भक्तों से पर्याप्त दान मिल रहा है.

उनकी करीब 5529 करोड़ रुपये की फिक्स डिपॉजिट हो गई है. कुल मिलाकर, अप्रैल 2024 तक, बैंकों और इसके कई ट्रस्टों में तिरुपति ट्रस्ट की नकदी कैश 18817 करोड़ रुपये तक हो गई है, जो टीटीडी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम है.

सालाना, तिरुपति ट्रस्ट अपनी एफडी पर ब्याज के रूप में 1600 करोड़ रुपये की भारी रकम कमाता है. वहीं, दूसरी ओर, हाल ही में तिरूपति ट्रस्ट द्वारा 1031 किलोग्राम का सोना जमा करने के बाद बैंकों में अब तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट का सोना भी 11329 किलोग्राम जमा हो गया है.

जो चुनाव नहीं जीत सकते, उन्होंने मैदान ही छोड़ दिया... PM मोदी ने सोनिया गांधी पर कसे तंज

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा): कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को निशाना बनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि, जो लोग चुनाव नहीं जीत सकते, उन्होंने मैदान छोड़ दिया है और राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बन गए हैं. पीएम का यह बयान सोनिया गांधी के निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने जाने के कुछ महीनों बाद आया है. राज्यसभा के मौजूदा कार्यकाल से पहले सोनिया गांधी ने दो दशकों तक लोकसभा में कांग्रेस के गढ़ रायबरेली का नेतृत्व किया है. वे पांच साल तक अमेठी से भी सांसद रही हैं.

पीएम मोदी बीजेपी के प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के पक्ष में प्रचार करने के लिए राजस्थान के जालौर पहुंचे थे. जालौर सीट पर चौधरी का मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और कांग्रेस के नेता वैभव गहलोत से मुकाबला हो रहा है. जालोर निर्वाचन क्षेत्र बीजेपी का गढ़ है. पार्टी इस सीट पर दो दशकों से लगातार जीत रही है.

रैली में पीएम मोदी ने सवाल किया कि, क्या राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सांसदों ने राज्य के मुद्दे उठाए? कांग्रेस ने एक दक्षिण के नेता को राजस्थान से राज्यसभा भेजा. क्या उन्होंने कभी राजस्थान के बारे में बात की? नहीं. आपने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी राज्यसभा भेजा था. वे अस्वस्थ थे, लेकिन क्या आपने उन्हें राजस्थान में देखा? उन्होंने सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कहा, और अब आपने एक और नेता को बचाया है. जो लोग चुनाव नहीं लड़ सकते, चुनाव नहीं जीत सकते, वे मैदान छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा में आ गए हैं. वर्तमान में कांग्रेस के छह सांसद राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं – सोनिया गांधी, नीरज डांगी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, केसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी और मुकुल वासनिक. इनमें से सिर्फ नीरज डांगी ही वास्तव में राजस्थान से हैं. पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान के लोगों ने राजस्थान में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कांग्रेस को दंडित किया था. राज्य की 25 में से 12 सीटों पर पहले चरण में मतदान हुआ था. बाकी सीटों पर शुक्रवार, 26 अप्रैल को मतदान होगा.

कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत नहीं बना सकती

प्रधानमंत्री ने कहा कि, राजस्थान देशभक्ति में डूबा हुआ है. वह जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत नहीं बना सकती. देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए. देश नहीं चाहता कि 2014 से पहले की स्थिति वापस आए.

प्रधानमंत्री ने खुद के द्वारा बार-बार दोहराए जाने वाले शब्द रिमोट कंट्रोल शब्द का उपयोग करके एक बार फिर विपक्षी दल पर हमला किया. उन्होंने कहा कि, कोई भी प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं करता था. सरकार रिमोट कंट्रोल से चलती थी. बीजेपी की ओर से कांग्रेस पर हमले के लिए इस तरह की शब्दावली का उपयोग किया जाता रहा है. इसमें दावा किया जाता है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में वास्तविक प्रधानमंत्री सोनिया गांधी थीं.

कांग्रेस अपनी आज की स्थिति के लिए खुद जिम्मेदार

पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि, कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की बैठक में बड़े रौब से फाड़ कर फेंक देते थे. राहुल गांधी ने साल 2013 में दोषी सांसदों को अयोग्यता से बचाने के लिए यूपीए सरकार के अध्यादेश को फाड़कर फेंक दिया था.

पीएम मोदी ने सवाल किया कि, जरा कल्पना कीजिए, एक सत्तारूढ़ पार्टी के नेता द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक कैबिनेट नोट फाड़ दिया जाता है. क्या ऐसी कमजोर व्यवस्था देश को मजबूत बना सकती है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी आज की स्थिति के लिए खुद जिम्मेदार है. उन्होंने कहा कि, जो पार्टी कभी 400 (लोकसभा) सीटें जीतती थी, वह अब 300 सीटों पर भी चुनाव नहीं लड़ सकती. उसे उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं.

हार्ट फेलियर में स्टेम सेल थेरपी है कारगर

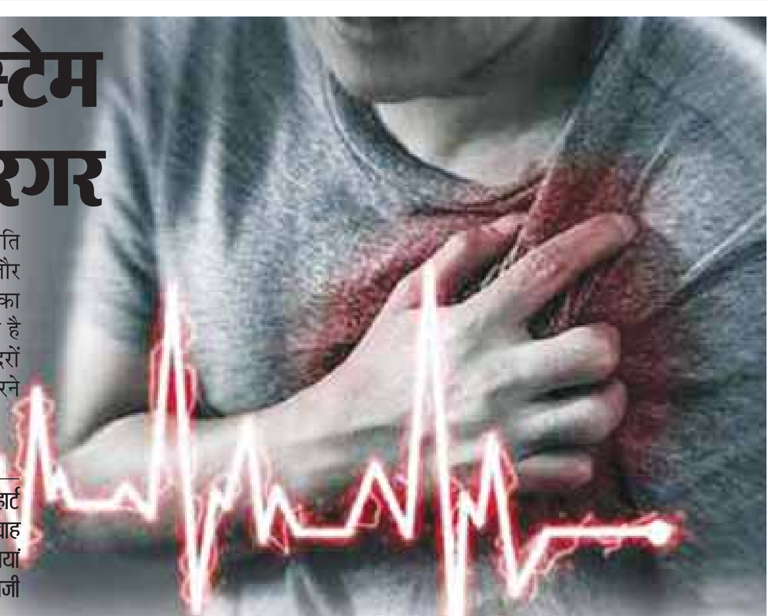

हार्ट फेलियर यानी हृदय गति रुक जाने पर दिल की गति को बहाल करने के लिए स्टेम सेल थेरपी का संभावित तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस शोध का प्रकाशन पत्रिका 'नेचर बॉयोटेक्नॉलजी' में किया गया है। शोध में कहा गया है कि स्टेम सेल के इलाज से हार्ट फेलियर वाले अफ्रीकी बंदरों में दिल सामान्य से 90 फीसदी बेहतर तरीके से काम करने की संभावना दिखती है।

1 करोड़ लोगों की होती है मौत

वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के प्रफेसर चार्ल्स चुक मुरी ने कहा कि हार्ट फेल्योर से दुनिया भर में एक करो? लोगों की मौत होती है। यह रक्त प्रवाह के रुक जाने की स्थिति से होता है। स्टेम कोशिकाएं नई मांसपेशियां बनाने में मदद करेंगी, जो दिल से जु?गी और फिर से रक्त का प्रवाह तेजी से होने लगेगा।

फिर बनाई जा सकती हैं मांसपेशियां

मुरी ने कहा, 'हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि मानव भ्रूण स्टेम सेल-कार्डियोमायसाइट्स से उत्पन्न होता है, जिनसे फिर मांसपेशी बनाई जा सकती है, जो कि अफ्रीकी बंदर के दिल में हृदय की गति को बहाल कर सकते हैं। यह दिल के रोगियों को उम्मीद बंधाती है।'

बच्चों को भी हो सकती है यूरिन इंफेक्शन

यूटीआई यानी की यूरीनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन का संक्रमण ना केवल बड़ों को बल्कि छोटे बच्चों को भी हो सकती हैं। इस समस्या के होने पर बच्चे में डिहाइड्रेशन की प्रॉब्लम होने लगती है। डायबिटीज इन्सीपिंडस, सिर पर चोट लगना, पोटेशियम की कमी, जरूरत से ज्यादा पानी पीना, मैनीटॉल चिकित्सा के कारण और डायबिटीज मेलीटस के कारण बच्चों में यूरिन इंफेक्शन हो जाता है।

अगर आप बच्चा दिन में 7 से 8 बार पेशाब करने जाता है तो हो सकता है कि उसको यूरिन इफेक्शन की समस्या हो। आज हम आपको यूरिन इंफेक्शन लक्षण और इसके बचाव बताएंगे।

यूरिन इंफेक्शन के लक्षण

1. बुखार आना
2. पेशाव करते समय दर्द होना
3. बार-बार बाथरूम जाना
4. उल्टियां होना
5. पेशाब से दुर्गंध आना या रंग बदलना
6. पसली और कूल्हे की हड्डी में दर्द
7. पेट में दर्द होना

स्मार्टफोन के खातिर उंगली तक कुर्बान कर सकते हैं लोग

मोबाइल अडिक्शन को लेकर दुनियाभर में बहस जारी है। कुछ लोग इसके लिए स्मार्टफोन कंपनी को जिम्मेदार ठहराते हैं तो कुछ कहते हैं कि इस लत के लिए खुद लोग ही जिम्मेदार हैं। अडिक्शन कितना बढ़ चुका है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोग इसके लिए अपनी उंगली तक कटवाने को तैयार हैं। इतना ही नहीं लोग अपने स्मार्टफोन के बदले नहाना, शराब और सेक्स भी छोड़ने को तैयार हैं। यूके बेस्ड ऐप डिवेलपमेंट कंपनी टैपेबल ने मोबाइल की लत से संबंधित एक सर्वे करवाया था। इसके लिए उन्होंने 18-34 की उम्र के करीब 500 लोगों से यह सवाल किया कि वह अपने स्मार्टफोन के बदले क्या छोड़ सकते हैं। इसके जवाब में 23 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वह स्मार्टफोन के खातिर अपनी पांच सेंसेज में से किसी भी एक को खोने को तैयार हैं। वहीं 38 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें अगर मोबाइल और शराब में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वह मोबाइल को चुनेंगे। 15 प्रतिशत लोग ऐसे भी रहे जो अपने मोबाइल के खातिर सेक्स छोड़ने और 10 प्रतिशत उंगली कटवाने को तैयार मिले।

कन्हैया कुमार और उदित राज को लेकर कांग्रेस में कलह

BJP से लड़ने की जगह आपस में उलझे नेता

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दिल्ली के लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा को शिकायत देने के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ हाथ मिलाया है ।राजधानी दिल्ली की दो लोकसभा सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों को लेकर शुरू हुआ घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार और उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट से उदित राज को उम्मीदवार बनाए जाने का कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से विरोध किया जा रहा है। शुक्रवार को कन्हैया कुमार की चुनाव रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई बैठक में जमकर वाद-विवाद हुआ। इस कारण उत्तर पश्चिमी सीट को लेकर शनिवार को होने वाली बैठक को रद्द कर दिया गया। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस की ओर से अभी तक विथिवत चुनाव प्रचार नहीं शुरू हो सका है।

कन्हैया की उम्मीदवारी से पैदा हुआ विवाद

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर कन्हैया कुमार के अलावा पूर्व सांसद और शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित की मजबूत दावेदारी थी। इस कारण कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी इस लोकसभा सीट को लेकर ऊहापोह की स्थिति में फंसा हुआ था। लंबे समय तक मंथन के बाद आखिरकार पार्टी नेतृत्व ने कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी पर मुहर लगा दी मगर इसे लेकर संदीप दीक्षित और कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग नाराज बताया जा रहा है।

शुक्रवार को इस लोकसभा सीट पर कांग्रेस की रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई बैठक में जमकर वाद-विवाद हुआ था। संदीप दीक्षित और कन्हैया कुमार के बीच आपस में बहस हो गई थी और कन्हैया कुमार ने संदीप दीक्षित पर भाजपा की भाषा बोलने का बड़ा आरोप लगाया था। संदीप दीक्षित ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया पर भी तीखा हमला बोला था। इस कारण कन्हैया कुमार भी बैठक छोड़कर चले गए थे।

उदित राज का भी हो रहा कांग्रेस में विरोध

दूसरी ओर उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट को लेकर भी कांग्रेस में भारी खींचतान दिख रही है। इस लोकसभा सीट पर पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान और पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार की मजबूत दावेदारी थी और स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से भी इन दोनों के नामों की सिफारिश की गई थी। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इस सीट पर उदित राज को उम्मीदवार घोषित किया है जिसके बाद पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से विरोध की बात सामने आई है।

शनिवार को इस लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की चुनावी तैयारी पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गई थी मगर इस बैठक को आखिरी क्षणों में रद्द कर दिया गया। जानकारों का कहना है कि पार्टी में खींचतान की वजह से इस बैठक को रद्द किया गया। पार्टी में चल रही इस खींचतान के कारण ही उदित राज का चुनाव प्रचार भी जोर नहीं पकड़ सका है।

आप और कांग्रेस में भी सामंजस्य नहीं

दिल्ली के लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा को शिकायत देने के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ हाथ मिलाया है। दोनों पार्टियों के इस गठबंधन में आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि राजधानी की तीन सीटों पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन दोनों दलों को करारी शिकस्त दी थी।

आप और कांग्रेस के गठबंधन से भाजपा को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना जताई जा रही थी मगर ऐसी स्थिति बनती नहीं दिख रही है। जहां कांग्रेस में दो सीटों को लेकर खींचतान बनी हुई है वहीं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी कांग्रेस प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में कोई दिलचस्पी नहीं दिख रहे हैं। आप कार्यकर्ताओं की सक्रियता सिर्फ उन्हीं चार सीटों पर दिख रही है जहां आप प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हुए हैं।

जानकार सूत्रों का कहना है कि आप और कांग्रेस की ओर से अभी तक साझा कैंपेन को लेकर कोई रणनीति नहीं बनाई जा सकी है। दूसरी और भाजपा जोरदार प्रयास में प्रचार में जुटी हुई है। इन कारणों से इस बार के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा विपक्ष के मुकाबले एक बार फिर मजबूत स्थिति में दिख रही है।

विक्रम चौधरी का चन्नी पर बड़ा हमला, कहा वो सुदामा नहीं शकुनी है, अपनी बहू बेटियों को चन्नी से बचाओ

जालंधर (सूरभि शर्मा) : जालंधर में कांग्रेस VS कांग्रेस चल रही है, पूर्व सांसद संतोष चौधरी की पत्नी के द्वारा भाजपा में जाने से जहां कांग्रेस के उम्मीदवार चन्नी ने विक्रम चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि विक्रम चौधरी दुर्योधन के रूप में पैदा हुए हैं जिन्होंने अपना पूरा परिवार ही बिखेर दिया, तो वहीं चौधरी ने सीएम चन्नी को सुदामा नहीं बल्कि शकुनि बताया है, विक्रम चौधरी ने कहा कि चन्नी ने सीएम बनते ही पंजाब की नईया डूबो ही उनका चरित्र भी महिलाओं के प्रति ठीक नहीं है। जालंधर के लोग उन्हें हराकर वापिस भेजेंगे। चन्नी खुद को सुदामा बता रहे हैं जबकि वो शकुनि है।

पति की हैवानियत! अमृतसर में गर्भवती पत्नी को बिस्तर से बांधकर लगाई आग, जिंदा जलाया

जालंधर (सूरभि शर्मा) : पंजाब के अमृतसर में एक व्यक्ति ने अपनी गर्भवती पत्नी को बिस्तर से बांधकर और आग लगाकर कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। यह घटना शुक्रवार को रय्या इलाके के बुलेड नांगल गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि दंपति में अक्सर झगड़े होते थे। शुक्रवार (19 अप्रैल) को दंपति के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद सुखदेव ने छह महीने की गर्भवती पिंकी को बिस्तर से बांध दिया और आग लगा दी। इंस्पेक्टर गुरविंदर सिंह ने कहा कि पिंकी, जो जुड़वा बच्चों से गर्भवती थी, की मौके पर ही मौत हो गई। सुखदेव फरार है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के 30 दिन पूरे, राहत की उम्मीद नहीं, राह और मुश्किल

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : दिल्ली के कथित शराब घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को आज रविवार 30 दिन पूरे हो गए हैं। इन 30 दिनों में दिल्ली की राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है, खुद अरविंद केजरीवाल की जिंदगी में कई चुनौतियां आई हैं, कई तरह के संघर्ष देखने को मिले हैं।

अगर ताजा घटनाक्रम की बात करें तो अरविंद केजरीवाल की जेल डाइट को लेकर इस समय सबसे ज्यादा विवाद चल रहा है। जेल का जो मैन्यू सामने आया है उसमें दावा किया गया है कि अरविंद केजरीवाल को उनके परिवार द्वारा लगातार आलू पूरी, आम और मिठाइयां खिलाई जा रही थीं। उसी वजह से उनकी शुगर लेवल बढ़ गई थी, दावा तो यहां तक हुआ है कि नवरात्रि में एक दिन अरविंद केजरीवाल को जेल में अंडे भी दिए गए। ये अलग बात है कि सीएम केजरीवाल के वकील ने कोर्ट के सामने इन तमाम दलीलों को खारिज कर दिया था।

यहां तक कहा गया कि डॉक्टर के कहने पर ही डाइट दी जा रही थी। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि जेल के अंदर अरविंद केजरीवाल के इंसुलिन को बंद कर दिया गया, उन्हें मारने की साजिश रची जा रही है।

अब उससे पहले कि वो वाला विवाद तूल पकड़ पाता, एलजी वीके सक्सेना ने सामने से आकर एक दूसरी रिपोर्ट का हवाला दे दिया। जोर देकर कहा गया कि डॉक्टर के कहने के बाद ही अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन बंद हो चुकी थी।

वैसे इस मामले में अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से अभी तक कोई राहत नहीं मिली है, डाइट विवाद में भी उनके पक्ष में कोई फैसला नहीं सुनाया गया है। इस वजह से बीजेपी को पूरा मौका मिल गया है कि चुनावी मौसम में वो आम आदमी पार्टी के साथ-साथ उनकी पार्टी के सबसे बड़े नेता को भी लगातार निशाने पर लेती रहे। वैसे जब से अरविंद केजरीवाल जेल में गए हैं, लगातार कुछ ना कुछ विवाद खड़े हो रहे हैं। शुरुआत में आम आदमी पार्टी ने दावा किया था कि अरविंद केजरीवाल का 4 किलो वजन कम हो गया, वहीं दूसरी तरफ जेल प्रशासन की तरफ से कहा गया कि इससे उलट केजरीवाल के बदन में बढ़ोतरी देखी गई है।

इसके बाद आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि जेल के अंदर अरविंद केजरीवाल की तबीयत लगातार खराब होती जा रही है, उनका शुगर लेवल बहुत ज्यादा बढ़ चुका है। लेकिन उन दावों को भी जेल प्रशासन ने सिरे से खारिज कर दिया, इसके बाद ही ईडी ने अपने वकील के द्वारा उल्टा अरविंद केजरीवाल पर ये आरोप लगा दिया कि वे जान पूछकर अपनी शुगर बढ़ा रहे हैं और उसी के आधार पर मेडिकल ग्राउंड पर जमानत लेने की कोशिश कर सकते हैं।

इन 30 दिनों में अरविंद केजरीवाल के साथ वैसे तो काफी कुछ हुआ है, लेकिन सबसे नाटकीय घटनाक्रम वो था जिसमें उन्होंने हाई कोर्ट के सामने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। उस समय अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि ईडी ने उन्हें जो गिरफ्तार किया है, वह पूरी तरह अवैध है, यहां तक कहां गया कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला और सिर्फ कुछ गवाहों के बयान के आधार पर उनके खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई कर दी गई। उस सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने ये आपत्ति भी दर्ज करवाई थी कि चुनाव के समय उन्हें गिरफ्तार किया गया, यानी की साजिश के तहत ईडी ने उनके खिलाफ एक्शन लिया।